

‘बाँसवाड़ा की धरती पर बिजली उत्पादन में भारत के सामर्थ्य का नया अध्याय लिखा गया है’

प्र.मंत्री मोदी ने नापला में 42,000 करोड़ रुपए की परमाणु बिजली परियोजना के शिलान्यास के दौरान कहा

उदयपुर/बांसवाड़ा, 25 सितम्बर (कांस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, ‘देश आज बिजली की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और इस रफ्तार में देश के हर हिस्से, हर राज्य को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि देश विकसित होने के लिए तेज गति से काम

■ प्रधानमंत्री ने परमाणु बिजली परियोजना (42,000 करोड़ रुपए) सहित राजस्थान को 1 लाख 468 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं और वंदे भारत ट्रेन की सौगात दी।

कर रहा है और इसमें राजस्थान को भी बड़ी भूमिका है।’

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को नापला (बांसवाड़ा) में माही बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने देशभर में 1 लाख 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बांसवाड़ा के नापला में आयोजित भव्य समारोह में 1 लाख 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने साफा पहनाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया तथा विजयस्तंभ का चित्र भेंट किया।

परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। मोदी ने राजस्थान को 42 हजार करोड़ रुपए की परमाणु ऊर्जा परियोजना सहित, 1 लाख 8 हजार 468 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं एवं विकास कार्यों तथा दो

बंदे भारत एक्सप्रेस सहित, तीन नई ट्रेनों की सौगात दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नवरात्रि के पावन पर्व के दौरान बांसवाड़ा में मां त्रिपुर सुंदरी की धरती पर आना उनके लिए सौभाग्य की बात है। मोदी

ने कहा कि नवरात्रि में हम शक्ति के 9 स्वरूपों की पूजा करते हैं और परमाणु ऊर्जा परियोजना के शिलान्यास से बांसवाड़ा की धरती पर ऊर्जा शक्ति, यानी बिजली उत्पादन में भारत के

भूपेन्द्र यादव प.बंगाल में भाजपा के प्रभारी नियुक्त

नई दिल्ली, 25 सितंबर। भाजपा ने गुरुवार को बिहार, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए।

पश्चिम बंगाल के लिए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को चुनाव प्रभारी बनाया

■ धर्मेन्द्र प्रधान को बिहार, ओडिशा सांसद बैजयंत पांडा को तमिलनाडु का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

गया है, जबकि त्रिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब सह-प्रभारी होंगे। पश्चिम बंगाल में टीएमपी की मजबूत पकड़ को तोड़ने के लिए की भाजपा यह रणनीति अगम है। वैसे भी अगले साल पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव है। 2026 में होने वाले चुनावों में भूपेंद्र यादव की भूमिका अहम होगी। भूपेंद्र यादव के पास भी अच्छा खासा संगठनात्मक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पीएम कुसुम योजना के लाभार्थियों से मोदी का संवाद

जयपुर, 25 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर गुरुवार को बांसवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राजस्थान

■ बाँसवाड़ा में आयोजित इस कार्यक्रम में प्र.मंत्री मोदी ने देश भर के लाभार्थियों से बातचीत की।

सहित, देशभर के पीएम कुसुम योजना के लाभार्थियों से संवाद किया।

मोदी ने राजस्थान में फलौदी से पप्पू देवी, कोटपुतली से धर्मेन्द्र कुमार, प्रतापगढ़ से जगदीश मेघवाल, जोधपुर से रामचन्द्र सिंह, भरतपुर से प्रेम सिंह कुंतल, बांसवाड़ा के अर्धुना संघर्ष से संवाद किया।

इस दौरान राज्यपाल हरिभाऊ कसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डॉ. प्रेमचंद बैरवा तथा सांसद मदन राठीड़ उपस्थित रहे।

–जाल खंबाता–

–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–

नई दिल्ली, 25 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को टिप्पणी की कि औपनिवेशिक युग के भूमि विवाद आज भी भारतीय अदालतों में लंबित हैं, जो चिंताजनक है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी दादर और नगर हवेली में 1923 से 1930 के बीच पुर्तगाली प्रशासन द्वारा दी गई स्थायी पट्टों (एलवरराज) से जुड़े अपीलों पर सुनवाई के दौरान की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, दीपांकर दत्ता और एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जो पुर्तगाली शासनकाल में ज़मीन पाने वाले लोगों के वंशजों ने 1974 में कलकत्ता द्वारा दी गई कृषि रियायतें रद्द किए जाने के खिलाफ दाखिल की गई थीं। यह कार्रवाई 1919 के “ऑर्गेनिज़ासाओ अग्रारिया” कानून के तहत की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, “इस मामले में सबसे चौकाने वाली बात यह नहीं है

भाजपा के सांसदों ने वि.स. चुनाव लड़ने के लिए आनाकानी दिखाई

सूत्रों के अनुसार, भाजपा नेतृत्व ने नित्यानंद राय, गिरिराज सिंह, सतीश दुबे और राजीव प्रताप रूडी आदि को बिहार में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कहा है

–जाल खंबाता–

–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–

नई दिल्ली, 25 सितंबर। बिहार में सतारूद नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) में एक नया राजनीतिक तुफान उस समय खड़ा हो गया, जब वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री आर.के. सिंह ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और अन्य भाजपा मंत्रियों पर जमकर हमला बोला और कथित भ्रष्टाचार के मामलों में कड़ी कार्रवाई की मांग की। उनके बयान ने न केवल प्रदेश इकाई में दरारें और गहरी कर दी हैं, बल्कि आगामी नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व को भी असहज कर दिया है।

जनता दल (यूनाइटेड) के नेता और एमएलसी नीरज कुमार, जिन्हें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का करीबी माना जाता है, ने भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने गठबंधन के सहयोगियों को याद दिलाया कि नीतीश कुमार का लंबा कार्यकाल स्वच्छ छवि का प्रतीक रहा है, जो चारा घोटाले जैसे घोटालों से भरे अंधकारमय वर्षों से एक स्पष्ट अंतर दिखाता है।

नीरज कुमार ने कहा, “बिहार की जनता ने नीतीश जी को इसलिए चुना था, क्योंकि वह भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी थी। पिछले दो दशकों से हमने स्वराज और विकास आधारित शासन

■ पर इनमें से अधिकांश ने चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया और कहा कि विधानसभा चुनाव में बहुत कुछ दाँव पर है, अगर हम हार गए तो यह राजनैतिक आत्महत्या होगी और जीत गए तो भी दिल्ली में प्रभाव कम हो जाएगा।

■ इसी बीच वरिष्ठ भाजपा नेता आर.के. सिंह ने बिहार के उपमुख्यमंत्री, भाजपा के सम्राट चौधरी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए और कड़ी कार्यवाही की मांग की।

■ पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि इस बार चुनावों में एनडीए सवालों से घिरा हुआ है।

दिया है। भाजपा नेताओं पर ऐसे आरोप गठबंधन की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाते हैं।”

पटना में उठे इस विवाद ने दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को हिला कर रख दिया है, जो पहले से ही पार्टी कार्यकर्ताओं और सहयोगी दलों के असंतोष से जूझ रहा है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि आंतरिक कलह और भ्रष्टाचार के आरोप एनडीए के “सुशासन” के नैरेटिव को कमजोर कर सकते हैं, जो पिछले चुनावों में इसकी ताकत रहा है।

नर्वस भाजपा नेतृत्व ने कथित रूप से कम से कम पांच केन्द्रीय मंत्रियों और प्रमुख सांसदों को बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहने को कहा है। जिन नामों की चर्चा हो रही है,

उनमें केन्द्रीय मंत्री नित्यानंद राय और गिरिराज सिंह के साथ, वरिष्ठ सांसद राजीव प्रताप रूडी और सतीश दुबे शामिल हैं।

हालांकि, इन नेताओं में से अधिकांश ने राज्य की चुनावी राजनीति में उतरने से अनिच्छा जताई है। सूत्रों के अनुसार, उन्हें डर है कि इतना हाई-स्टेक चुनाव लड़ना उनके लिए राजनीतिक जोखिम साबित हो सकता है।

एक वरिष्ठ भाजपा सांसद ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा, “अगर हार गए तो राजनीतिक आत्महत्या है और अगर जीत भी गए, तो दिल्ली में हमारी पकड़ कमजोर हो जाएगी। किसी भी सूरत में यह हमारे लिए एंडगेम साबित हो सकता है।”

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अगले लोकसभा चुनाव से पहले उत्तर भारत को सिंधु नदी का पानी मिलेगा?

भारत सरकार सिंधु नदी के सिस्टम में भारी बदलाव करने की दिशा में गंभीर कदम उठा रही है

–जाल खंबाता–

–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। भारत, उत्तर भारत की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सिंधु नदी प्रणाली में बड़े बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद, अब सरकार इस परियोजना को 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले पूरा करने की दिशा में रणनीतिक कदम उठा रही है।

पिछले शुक्रवार को वरिष्ठ मंत्रियों की एक समीक्षा बैठक के दौरान बताया गया कि एक 14 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है, जो सिंधु नदी को ब्यास नदी से जोड़ेगा। ये दोनों नदियाँ सिंधु प्रणाली का हिस्सा हैं। यह जानकारी उन सूत्रों ने दी है जो इस

स्कूल के मैदान में रामलीला की अनुमति

नयी दिल्ली, 25 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद स्थित एक स्कूल मैदान में चल रहे रामलीला समारोह को सशर्त जारी रखने की बुधवार को अनुमति दे दी।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयाँ और न्यायमूर्ति एन.

■ सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए फिरोजाबाद के सरकारी स्कूल के मैदान में रामलीला के मंचन की अनुमति दे दी है।

कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित आदेश पर रोक लगाते हुए फिरोजाबाद के टूंडला स्थित जिला परिषद विद्यालय मैदान में रामलीला जारी रखने की अनुमति इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

■ प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इस संबंध में 14 किलोमीटर लम्बी टनल बनाने के लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर ली गई है, जो सिंधु नदी को व्यास नदी से जोड़े देगी।

■ बहुराष्ट्रीय कम्पनी लार्सन एण्ड टूब्रो (एलएंडटी) को प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने के लिए कहा गया है। ज्ञातव्य है कि 22 अप्रैल के पहलगाम अटैंक के बाद भारत ने सिंधु नदी जल समझौता रद्द कर दिया था, तब से ही केन्द्र सरकार सिंधु नदी का पानी उत्तर भारतीय राज्यों तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है।

परियोजना से जुड़े हैं।

लार्सन एंड टूब्रो (एल एंड टी) जैसी बहुराष्ट्रीय निर्माण कंपनी को यह परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का कार्य सौंपा गया है, जो अगले साल तक तैयार होने की उम्मीद है।

सूत्रों ने आगे बताया कि बैठक में, प्रस्तावित 113 किलोमीटर लंबी नहर की भी समीक्षा की गई, जिसके माध्यम से सिंधु जल को उत्तर भारत के राज्यों तक पहुंचाया जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका विश्व के सभी सफल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आदि पर आधिपत्य चाहता है

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा टिक टॉक डील पर इतना ज्यादा जोर देना अमेरिका की इस नीति का बड़ा उदाहरण है

समझौते के अनुसार, अमेरिकी कंपनियों का एक समूह टिकटॉक की अमेरिकी संपत्तियाँ खरीदेगा और उसके मूल एल्गोरिदम को ओरेंकल चलाएगा। इस समझौते के तहत, दोनों देशों के प्रमुख, डॉनल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग, निकट भविष्य में द्विपक्षीय मुद्दों को सुलझाने के लिए मिलने वाले हैं। टिक टॉक को लेकर हुआ यह स्वार्थी समझौता अमेरिकी दावों के खोखलेपन को दर्शाता है, जिनमें वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मुक्त व्यापार वाली अर्थव्यवस्था (फ्री एन्टरप्राइज इकॉनमी) की बात करता है।

अमेरिका एक तरफ तो अपने देश में काम कर रही एक बेहद सफल सोशल

- अमेरिका ने चीन को मजबूर किया है कि चीन टिक टॉक का अमेरिकन संचालन किसी अमेरिकन कंपनी को बेच दे।
- जैसा कि विदित है, टिक टॉक विश्व के सबसे सफल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में से एक है और अमेरिका के युवाओं में बेहद लोकप्रिय है।
- अमेरिका इस प्लेटफॉर्म पर न केवल काबिज होना चाहता है, बल्कि यह भी चाहता है कि इसका सॉफ्टवेयर भी अमेरिका में ही बने। चर्चा है कि अमेरिकन कंपनी ऑरेकल यह सॉफ्टवेयर बनाएगी।
- इसी नीति के तहत वे अमेरिका में कार्यरत उच्च शिक्षित भारतीय इंजीनियर्स का काम अमेरिकन प्रोफेशनलस को देना चाहते हैं।
- यह सारी कोशिशें अमेरिका के हित में हो सकती हैं। पर, क्या यह “फ्रीडम ऑफ स्पीच” का उल्लंघन नहीं है, जिसका अमेरिका हमेशा पैरोकार रहा है।

वांगचुक के एनजीओ पर सरकारी शिकंजा

नयी दिल्ली, 25 सितम्बर। सरकार ने लद्दाख के सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोमन वांगचुक के गैर सरकारी संगठन का विदेशी अंशदान नियमन पंजीकरण प्रमाण पत्र (एफसीआरए) विलीय

■ केन्द्र सरकार ने वांगचुक के एनजीओ के विदेशी अंशदान नियमन पंजीकरण प्रमाण पत्र को रद्द कर दिया है।

अनियमितताओं और कानूनों के उल्लंघन के कारण रद्द कर दिया है। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को एक आदेश जारी कर कहा कि सक्षम अधिकारी ने विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम 2010 की धारा 14(1) के तहत अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए वांगचुक के संगठन स्टूडेंट्स

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

“जीवन के अच्छे दिनों में कभी भी उन लोगों को ना भूले जो जीवन के बुरे दिनों में आपके साथ थे।”

- अरविन्द कटोच

एसआईआर की प्रक्रिया में जारी की जाने वाली मतदाता सूची वास्तव में नागरिक मतदाता सूची है और यह विषय चुनाव आयोग की Autonomy (स्वत्व अधिकार) का है

त्रुटिपूर्ण मतदाता सूचियों को लेकर, अथवा विशेष गहन पुनरीक्षण (1/4SIR1/2) को लेकर, अथवा मतदाता सूचियों से मतदाता का नाम काटने और जोड़ने को लेकर आदि से संबंधित कई आपत्तियों को लेकर चुनाव आयोग पर उनके कर्मचारियों पर पक्षपात करने अथवा तटस्थतहीनता, अवैध आवरण के आरोप लगाये जाकर यहाँ तक कि इन कृत्यों को वोट चोरी के नाम की संज्ञा दी जा रही है। आरोपों का यह सिलसिला यहाँ तक पहुँच गया है कि एनडीए के कई नेताओं ने विपक्ष के नेता पर देश में अशान्ति फैलाने का कृत्य कहा है और यहाँ तक कहा है कि वे देश के युवाओं को व जनरेशन जैड को देश के विरुद्ध भटका रहे हैं। नेताओं का कहना है कि विपक्ष के नेता ने एक्स पर लिखा है “देश के युवा देश के छात्र जेन जैड संविधान को बचायेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे”।

मतदाता सूचियों की अवैधता के उक्त आरोप विपक्ष देश की संसद, देश की सड़कों पर और चुनाव आयोग के कार्यालय में उठा चुके हैं और कई जनहित याचिकायें न्यायालय में पेश की जा रही है, कुछ पर सुनवाई की जा रही है। यद्यपि कोर्ट की कार्यवाही को रोके जाने से अन्तरिम निषेधाज्ञा का आदेश देश कोर्ट ने देने से मना कर दिया है, किन्तु कुछ अन्तरिम आदेश दिये भी हैं। जैसे माननीय सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश दिया है कि अन्य 11 डॉक्यूमेन्ट्स के साथ नाम जोड़ने में आधार कार्ड का प्रयोग किया जा सकता है, साथ ही यह भी यह भी कहा है कि आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं है।

केसेज में सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही के अध्ययन ने तथा भारत के संविधान के अनुच्छेद 324, 326, 329 व अन्य प्रावधानों से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि न्यायालय के समक्ष दो मूल प्रश्न हैं, प्रथम है क्या एसआईआर पर निर्णय लेना आयोग का विवेकाधिकार है? द्वितीय पक्ष है क्या यह मामला तय करने का अधिकारा अनुच्छेद 32 के तहत पीआईएल में दिया जा सकता है? प्रथम प्रश्न के साथ यह मुद्दा भी विचाराणीय है कि जब संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार केवल नागरिक का ही अधिकार है तो फिर अवैध प्रवासियों को जो बांग्लादेश, म्यांमार से आये हुये अवैध माइग्रेन्ट्स हैं, उन्हें एसआईआर की कार्यवाही में कैसे मतदान करने का अधिकार दिया जा सकता है? जबकि नागरिकता तय करने का मापदण्ड अनुच्छेद 6 से 11 में दिया है।

कोई व्यक्ति भारत का नागरिक है इसे तय करने का अधिकार भारत के गृह मंत्रालय का है। अवैध प्रवासियों में से, जिनके बाबत एसआईआर की कार्यवाही में अवैध प्रवासी हाने की आपत्ति उठाई है, उन्होंने भारत सरकार के समक्ष नागरिकता प्राप्त करने की कार्यवाही नहीं की है। इस प्रकार नागरिकता का प्रश्न भी संवैधानिक प्रश्न है। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि अवैध प्रवासियों की जाँच की जावे, उनसे शपथ-पत्र लिया जावे कि उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 से पूर्व भारत में हुआ था, विकल्प में उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 और दिसम्बर, 2024 के मध्य हुआ है। उनसे उनके माता-पिता के जन्म स्थान के दस्तावेज लिये जावें।

अनुच्छेद 324 में संविधान ने सांसदों व विधायकों की चुनाव की मतदाता सूची तैयार करने का संचालन, अधीक्षण व निदेशन व नियन्त्रण का पूर्ण दायित्व दिया है और अनुच्छेद 326 में स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव में खड़े होने का अधिकार केवल नागरिक को ही है। इसके अतिरिक्त इसी बात को अनुच्छेद 191 में स्पष्ट कर दिया है जबकि मतदाता नागरिक ही नहीं है तो वह विधान सभा का सदस्य होने के लिये और सदस्य चुने जाने के लिये Disqualified (निरहिंत) होगा।

अनुच्छेद 326 एक ओर जहाँ नागरिकों को वयस्क मताधिकार देता है, वहाँ यह स्पष्ट हो जाता है कि मतदाता सूची साधारण सूची नहीं है अपितु नागरिक मताधिकार सूची है। अनुच्छेद 327 में यह व्यवस्था है कि इस संविधान के उपबन्धों के अधीन रहते हुये संसद, राज्य की विधानसभा के लिये चुनाव से सम्बन्धित निर्वाचनों के सभी विषय अर्थात् निर्वाचक नामावली

कोई व्यक्ति भारत का नागरिक है इसे तय करने का अधिकार भारत के गृह मंत्रालय का है। अवैध प्रवासियों में से, जिनके बाबत एसआईआर की कार्यवाही में अवैध प्रवासी हाने की आपत्ति उठाई है, उन्होंने भारत सरकार के समक्ष नागरिकता प्राप्त करने की कार्यवाही नहीं की है। इस प्रकार नागरिकता का प्रश्न भी संवैधानिक प्रश्न है। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि अवैध प्रवासियों की जाँच की जावे, उनसे शपथ-पत्र लिया जावे कि उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 से पूर्व भारत में हुआ था, विकल्प में उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 और दिसम्बर, 2024 के मध्य हुआ है।

न्यायालय का यह स्पष्ट निर्णय है कि इसका उपयोग मानव अधिकारों के संरक्षण के हेतु ही होना चाहिये न कि अन्य मामलों में। चुनाव सम्बन्धित विषय राजनैतिक है, अतः चुनाव सम्बन्धित विषय के मुकदमों पर अनुच्छेद 32 की याचिकाओं पर सुनवाई करने से इन्कार किया है और यही कारण है कि अनुच्छेद 329 में इस विषय के मुकदमों की सुनवाई केवल चुनाव याचिकाओं के माध्यम से ही की जा सकती है। अनुच्छेद 329 में न्यायालय के हस्तक्षेप के अधिकार को वर्जित किया है सन् 1954 का सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आज भी मान्य है।

पीआईएल याचिकाओं में पिटीशनर स्वयं का अथवा अन्य विशिष्ट व्यक्ति का, जिसके मूल अधिकार का हनन हुआ है, उसका उल्लेख नहीं है। उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने अपने निर्णय कॉमन कॉज बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया, एआईआर 2008 एससी 2116 में यह निर्देश दिया है कि न्याय सक्रियता का अर्थ यह नहीं है कि न्यायापालिका, विधायिका एक कार्यपालिका का कार्य करे। प्रवासी भलाई संगठन बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया, एआईआर 2014 एससी 1591 में इस बात को स्पष्ट करते हुये कहा है कि न्याय सक्रिया का प्रयोग वहाँ होना चाहिये जहाँ पूर्णतः ऑल्टरनेटिव विधिक शून्यता हो। यहाँ तो अनुच्छेद 329 में चुनाव याचिका में ही मतदाता सूची के विवाद को सुनवाई करने का अधिकार दिया गया है। चुनाव याचिकायें हाईकोर्ट में प्रेषित की जा सकती हैं।

इस प्रकार रिट याचिकाओं के बाबत प्रत्यक्षः उपरोक्त आपत्तियां उठाई जा सकती हैं। मतदान का अधिकार मूल अधिकार नहीं है अपितु संवैधानिक अधिकार है। प्राप्त सूचना के अनुसार दिनांक 30 सितम्बर, 2025 तक एसआईआर की फाइनल लिस्ट तैयार हो जावेंगी और 5 अक्टूबर, 2025 को बिहार में चुनाव होने की सूचना जारी होगी तथा 5 से 15 नवम्बर, 2025 के मध्य ये चुनाव होंगे। ऐसी स्थिति में जब चुनाव की सूचना जारी की जा चुकी है तो क्या उक्त पीआईएल स्वतः ही प्राण शून्य हो जावेंगी, क्योंकि उनकी बहस को तारीख ही सम्भवतः 7 अक्टूबर, 2025 है। इस बाबत सुभाष सैनी विरुद्ध स्टेट ऑफ राजस्थान के केस में सन् 2015 में यह प्रश्न निर्णित हुआ है।

इस प्रकार हम संविधान के परिप्रेक्ष्य में कह सकते हैं कि मतदाता सूची वस्तुतः नागरिक मतदाता सूची है अर्थात् मत देने का अधिकार केवल देश के नागरिक को ही प्राप्त है, यदि वह व्यक्ति नागरिक नहीं है और चुनाव में जीत दर्ज करा देता है तो उसका चुनाव अवैध होगा तथा इसका निर्णय केवल चुनाव याचिका में ही उठाया जा सकता है जिसे सुनने का अधिकार केवल राज्य के हाईकोर्ट को है। चुनाव जीतने के बाद व्यक्ति यदि विधान सभा का सदस्य बन जाता है तो उसकी अयोग्यता का प्रश्न को निर्णय करने का अधिकार केवल राज्य के गवर्नर को प्राप्त है। जिसका निर्णय संविधान के अनुच्छेद 192 के अनुसार होगा। यदि अयोग्य विधायक विधान सभा की कार्यवाही में भाग लेता है अथवा मत देता है तो उस पर अपराध साबित होने पर प्रतिदिन भाग लेने पर 500/-रूपये जुर्माना किया जा सकता है।

अतः हम इस निर्णय पर पहुँचते हैं कि मतदाता सूची केवल नागरिकों की मतदाता सूची इसमें अवैध प्रवासी चाहे वे बांग्लादेश से आये हों अथवा म्यांमार से उन्हें मतदाता में नहीं जोड़ा जा सकता। देश की राजनीति में भाग लेने का अधिकार केवल देश के नागरिकों को ही प्राप्त है। सत्यमेव जयते !

**-अतिथि सम्पादक
पानाचन्द्र जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट**



डॉ. पंकज राजवंशी

यह सारा एच।बी वीजा वाला मामला जब हाल ही में मीडिया में छाया, तो मुझे न चाहते हुए भी सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि आखिर भारतीय अप्रवासियों को लेकर यह असहजता क्यों बढ़ रही है। अमेरिका जैसे देश में, जहाँ आब्रजन का इतिहास गहरा और समृद्ध है, भारतीयों को लेकर यह नया अंतोष आखिर क्यों दिखाई दे रहा है।

मैंने खुद तीस साल पहले अमेरिका में कदम रखा था, वह भी पहली पीढ़ी के प्रवासी के तौर पर। तब की चुनौतियाँ बिल्कुल अलग थीं, संख्या बेहद कम थी और हमें धीरे-धीरे, सम्मानपूर्वक अपना स्थान बनाना था। हमारे जैसे प्रवासी इक्का-दुक्का ही थे और हमारी उपस्थिति खुद एक बयान लगती थी। हम इस नए देश के रंग में ढलना चाहते थे क्योंकि हमें साफ था कि अगर यहाँ सम्मान पाना है, तो पहले इस समाज को समझना और फिर उसका हिस्सा बनना होगा। हमारे लिए समायोजन, यानी, कोई वैचारिक मुद्दा नहीं था बल्कि जौकिका और सामाजिक स्वीकृति की बुनियादी शर्त थी। हमने बोलचाल में संयम रखा, शांलीनता बरती और हर सार्वजनिक व्यवहार में सजगता अपनाई। हमारे

त्योहार हों या भाषा, हम यह नहीं चाहते थे कि कोई हमें अलग समझे या हमसे असहज महसूस करे। यह कोई आत्म-समर्पण नहीं था, बल्कि एक आत्म-निर्माण की प्रक्रिया थी जिसे हर प्रवासी को अपने ढंग से अपनाना पड़ता है। उसी ज़मीन पर खड़े होकर जब मैं आज के हालात देखता हूँ, तो मन में एक अजीब सा द्वंद्व उठता है। यही बात मैंने हाल ही में अपनी बेटी से साझा की, और फिर हमारे बीच एक लंबी, जटिल लेकिन ज़रूरी बातचीत हुई।

आज जब मैं हाल के वर्षों में आए भारतीय प्रवासियों को देखता हूँ, खासकर तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों को, तो एक बिल्कुल अलग ही रवैया नज़र आता है। बड़े-बड़े समूहों में आकर ये लोग अपने-अपने कस्बों और जिलों को जैसे अमेरिका में दोबारा बसाने लगे हैं। सिप्टल, डलास, ह्यूस्टन जैसे शहर अब मिनी इंडिया में बदलते जा रहे हैं। वहाँ भारतीय भोजन, भाषा, रीति-रिवाज़, परिधान और संगीत सब कुछ बड़े ज़ोर-शोर से मौजूद है। ऐसा लगता है जैसे अब किसी समायोजन की आवश्यकता नहीं रही। न बोलचाल में कोई सोच-विचार है, न सार्वजनिक व्यवहार में कोई मर्यादा। सार्वजनिक जगहों पर ऊँची आवाज़ में बात करना, बिना अनुमति सामूहिक कार्यक्रम करना, या यह मान लेना कि जिस जगह पर वे हैं वहाँ सब उनके जैसे ही सोचते हैं, यह सब अब सामान्य बात होती जा रही है।

जब मैंने अपनी बेटी से यह सब साझा किया तो उसने कहा, पापा, ये उनका हक है। कोई समाज तय नहीं कर सकता कि प्रवासी कैसे बर्ताव करें। यह मान लेना कि जिस जगह पर वे हैं वहाँ सब उनके जैसे ही सोचते हैं, यह सब अब सामान्य बात होती जा रही है। उनके पास न तो कोई सामाजिक ढांचा था, न तकनीकी सहारे। उन्हें मुख्यधारा में घुलने-मिलने के लिए प्रयास करने पड़ते थे। दूसरी ओर, 2000 के बाद आए प्रवासी ज़्यादातर बड़े समूहों में आए, खासकर तकनीकी क्षेत्र से। उनके पास मंदिर थे, भारतीय टॉर्सरी स्टोर थे, भाषा-समूह थे, और एक समजित डिजिटल नेटवर्क था जिसमें व्हाट्सएप जैसे माध्यम भी शामिल थे। जब आपके चारों ओर इतनी मजबूत सांस्कृतिक बुनियाद हो, तो बाहर की दुनिया से जुड़ने की ज़रूरत कम लगती है। लेकिन इसके साथ ही यह एक ऐसी दीवार भी बन जाती है जो स्थानीय समाज से दूरी पैदा करती है। पहली पीढ़ी के अप्रवासी आत्म-

उसमें खुद को अजनबी महसूस करने लगे? दिलचस्प यह है कि मेरी बेटी भी अब अपने भारतीयपन से जुड़ गई है, लेकिन एक संतुलित तरीके से। वह दिवाली मनाती है, लेकिन शांति से। भारतीय परिधान पहनती है, पर उसका प्रदर्शन नहीं करती। उसकी भारतीय पहचान अब उसके भीतर है, गर्व के साथ लेकिन बिना किसी शोर शराबे के। और यही तो फर्क है। उसकी पीढ़ी, जो यहाँ पैदा हुई, अब अपनी जड़ों से जुड़ना चाहती है लेकिन उसमें दूसरों के लिए सम्मान और एक सजग संतुलन है।

दूसरी ओर, जो लोग भारत से हाल ही में आए हैं, वे सामूहिकता और संख्या के बल पर उस विनम्रता को कहीं पीछे छोड़ आए हैं जो किसी भी प्रवासी समुदाय की सबसे बड़ी ताकत होती है। यह फर्क केवल व्यवहार का नहीं है, यह मानसिकता का भी है। और शायद इसके पीछे का मनोविज्ञान समझने से हम इस पूरी स्थिति को बेहतर समझ पाएँ। 1970 से 1990 के दशक में जो भारतीय अमेरिका आए, वे छोटे-छोटे समूहों में थे।

उनके पास न तो कोई सामाजिक ढांचा था, न तकनीकी सहारे। उन्हें मुख्यधारा में घुलने-मिलने के लिए प्रयास करने पड़ते थे। दूसरी ओर, 2000 के बाद आए प्रवासी ज़्यादातर बड़े समूहों में आए, खासकर तकनीकी क्षेत्र से। उनके पास मंदिर थे, भारतीय टॉर्सरी स्टोर थे, भाषा-समूह थे, और एक समजित डिजिटल नेटवर्क था जिसमें व्हाट्सएप जैसे माध्यम भी शामिल थे। जब आपके चारों ओर इतनी मजबूत सांस्कृतिक बुनियाद हो, तो बाहर की दुनिया से जुड़ने की ज़रूरत कम लगती है। लेकिन इसके साथ ही यह एक ऐसी दीवार भी बन जाती है जो स्थानीय समाज से दूरी पैदा करती है। पहली पीढ़ी के अप्रवासी आत्म-

अस्वीकृति और सामाजिक स्वीकृति के बीच झूलते रहे। वहीं नई पीढ़ी सांस्कृतिक गर्व के साथ जीना चाहती है। टकराव तब होता है जब यह गर्व, दूसरों के लिए दबाव बन जाता है। जब प्रवासी समुदाय छोटे होते हैं, तो उनकी सांस्कृतिक उपस्थिति विविधता लगती है। लेकिन जैसे-जैसे संख्या बढ़ती है, वही उपस्थिति प्रभुत्व जैसी महसूस होने लगती है।

एक समय था जब दिवाली पर पटाखे जलाना भी सोच-समझकर होता था। आज तो पूरी कॉलोनियाँ दर रात तक डीजे, ढोल और आतिशबाजी के साथ गुंजती हैं, मानो किसी शादी में। मंडप का सार्वजनिक प्रसारण हो रहा हो। अब ये त्योहार उत्सव नहीं रह गए हैं, वे सांस्कृतिक शक्ति-प्रदर्शन बन गए हैं। सवाल यह नहीं है कि आप अपनी परंपराएँ क्यों जी रहे हैं, सवाल यह है कि आप उन्हें इस तरह क्यों जी रहे हैं कि आसपास के लोग असहज महसूस करने लगें।

इसका दूसरा पहलू यह है कि स्थिति को पलट कर देखो, तो हम तो आपस में ही इतना भेदभाव करते हैं कि दूसरों से सम्मान पाने की बात थोड़ी असहज लगती है। अमेरिका में बसे भारतीय प्रवासी भी अपनी क्षेत्रीय पहचानों में इतने उलझे रहते हैं कि ‘भारतीय’ पहचान कहीं पीछे छूट जाती है। पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण भारत से आए लोग अक्सर अपने रीति-रिवाज, भाषा और खानपान को लेकर इतने सजग और कभी-कभी आत्ममुग्ध रहते हैं कि दूसरे की सांस्कृतिक शैली को तुच्छ मानने लगते हैं। क्या हम तब भी यह दावा कर सकते हैं कि अमेरिका हमें एकसमान दृष्टि से देखेगा? जब हम अपने ही लोगों के साथ समानता नहीं निभा पाते, तो दूसरों से अपेक्षा रखना एकराफ़ा नहीं लगता। सांस्कृतिक असुरक्षा और गर्व के

बीच का अंतर बहुत महीन होता है। जब आप एक नई ज़मीन पर आते हैं, तो अपनी परंपराओं से जुड़ाव एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। लेकिन यह जुड़ाव कब असहिष्णुता में बदल जाए, इसका बोध आवश्यक है। संस्कृति को जीने का अधिकार सबको है, लेकिन उसमें दूसरों की जगह के लिए भी गुंजाइश होनी चाहिए। अगर हम चाहते हैं कि हमें अपनाया जाए, तो हमें यह भी दिखाना होगा कि हम अपनाते लायक हैं।

यह केवल इस देश के मूल्यों को स्वीकारो का तर्क नहीं है, बल्कि यह तय करने की बात है कि हम किस तरह के नागरिक बनना चाहते हैं। क्या हम ऐसे बनना चाहते हैं जो अपनी पहचान पर अड़े रहें, या ऐसे जो अपनी पहचान के साथ सौहार्द भी जी सकें?

हम यहाँ पहले मेहमान बनकर आए थे। धीरे-धीरे सदस्य बने। लेकिन अब ऐसा लगने लगा है कि कुछ लोग खुद को बिना पूछे मेजबान समझने लगें हैं। यहीं से टकराव शुरू होता है और सामाजिक प्रतिक्रिया जन्म लेती है। समायोजन का मतलब खुद को मिटाना नहीं है, लेकिन यह भी नहीं कि हम उस देश की आत्मा को ही बदलने पर आमादा हो जाएँ जिसने हमें जगह दी। मेरी और मेरी बेटी की सोच में अंतर है। शायद यह पीढ़ियों का फर्क है। लेकिन समाधान इन दोनों सोचों के बीच ही कहीं छिपा है। न अपनी पहचान छोड़नी चाहिए, न दूसरों की उपेक्षा करने की चाहिए। यही संतुलन हमें एक बेहतर प्रवासी और एक बेहतर इंसान बना सकता है। यही वह संयम और समझदारी है जिसकी किसी भी बहुसांस्कृतिक समाज को सबसे ज़्यादा ज़रूरत होती है।

डॉ. पंकज राजवंशी, सिप्टल (अमरीका) में एक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट हैं

हर विद्यालय में सीखने का उत्सव - “प्रखर राजस्थान 2.0 अभियान”



राजेश यादव

प्रखर राजस्थान अभियान 2.0 सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रदेश के हर बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को

सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान 90 दिनों तक चलेगा और 5 दिसम्बर तक राज्य के सभी राजकीय विद्यालयों में संचालित होगा। इसका प्रमुख लक्ष्य कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों में धारा प्रवाह पठन-पाठन की क्षमता विकसित करना है। भाषा और गणित की समझ को सरल व रोचक गतिविधियों के माध्यम से मजबूत किया जा रहा है ताकि बच्चों की नींव को पुख्ता बनाकर उन्हें आगे की पढ़ाई में आत्मविश्वास मिल सके।

अभिभावक भी बने सहभागी :-अभियान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों को भी जोड़ा गया है। इसके लिए मेगा पीटीएम का आयोजन किया गया है

ताकि अभिभावक बच्चों की प्रगति को स्वयं देख सकें और सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा बनें।

नवाचार की दिशा में बड़ा कदम :-इस अभियान को शिक्षा विभाग ने एक नवाचार के रूप में तैयार किया है। शिक्षकों को प्रशिक्षित कर विद्यार्थियों की कमजोरियों की पहचान की जा रही है और उन्हें व्यक्तिगत सहयोग देकर सुधार लाने की कोशिश की जा रही है। पिछले वर्ष संचालित प्रखर राजस्थान अभियान के सकारात्मक नतीजों को देखते हुए इस बार एआई आधारित ओरल रीडिंग प्लूएंग्सी आकलन भी लागू किया गया है। शिक्षा विभाग का मानना है कि यदि बच्चों का पठन-पाठन मजबूत होगा तो वे आगे की कक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

“नागौर हस्तशिल्प प्रदर्शनी-2025” का शुभारम्भ

■ प्रदर्शनी में स्थानीय उद्योग, हस्तशिल्प, दस्तकारों औ ओडीओपी उत्पादों को प्रदर्शित किया जा रहा है

■ “एक जिला एक उत्पाद” योजना के तहत चयनित पान मैथी के उत्पादन, सही लागत और जीआई टैग दिलाने के प्रयासों की जानकारी दी

से नौकरी करने के बजाय सफल उद्यमी बनकर रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर दिया। जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने “एक जिला एक उत्पाद” योजना के तहत चयनित पान मैथी के

उत्पादन, सही लागत और जीआई टैग दिलाने के प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने स्थानीय उद्यमियों एवं हस्तशिल्पियों से समयानुकूल तकनीक अपनाने पर बल दिया। भारत सरकार

के जीएसटी विभाग के संयुक्त आयुक्त भारत सिंह ने हाल ही में जीएसटी दरों में की गई कमी से आमजन को मिलने वाले लाभों की जानकारी साझा की।

कार्यक्रम में खीवसर विधायक रेवन्त राम डांग्रा, जिला प्रमुख नागौर भागीरथ चौधरी, प्रधान प्रतिनिधि खीवसर जगदीश बिड़ियासर, लघु उद्योग भारती मेड़ता सिटी के रामवतार माहेश्वरी तथा हारालाल भाटी सहित विभिन्न एसोसिएशनों के पदाधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

राशिफल शुक्रवार 26 सितम्बर, 2025



पंडित अनिल शर्मा

संचार करेगा।

आज कुमार योग 9.37 से रात्रि 10.09 तक है। सवार्थ सिद्धि योग रात्रि 10.09 से सूर्योदय तक है। रवियोग रात्रि 10.09 से आरम्भ होगा।

आज भद्रा प्रातः 9.33 तक रहेगी। आज उपांग ललिता व्रत, ललिता पंचमी है।

श्रेष्ठ चौघडिया - चट-सूर्योदय से 7.50 तक, लाभ-अमृत 7.50 से 10.49 तक, शुभ 12.18 से 1.48 तक, चट 4.47 से सूर्यास्त तक

राहुकाल - 10.30 से 12.00 तक सूर्योदय 6.21 सूर्यास्त 6.18

आश्विन मास शुक्ल पक्ष, चतुर्थी तिथि, शुक्रवार विक्रम सम्पत् 2082, विशाखा नक्षत्र रात्रि 10.09 तक, विष्कुम्भ योग रात्रि 10.50 तक, विष्टि करण प्रातः 9.33 तक, चन्द्रमा दिम 3.24 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-तुला, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरु मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में

मेघ परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हो सकते हैं। दिन के मध्याह्न पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

वृष स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। मित्रों-रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेज समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क परिवार में सुख शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों-परिजन के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कन्या आर्थिक वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक सम्पर्क बनेंगे। नौकरी पेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

तुला आर्थिक वित्तीय मामलों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

धनु आर्थिक-वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सांूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार रहेगा।

कुंभ नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आशासन प्राप्त होगा। अटकें हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां दूर होंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनने काय विगड सकते हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती मनाई

दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती पर ‘एकात्म मानवदर्शन’ पर व्याख्यान और रोजगार मेला आयोजित

जयपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति द्वारा उनकी 109वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को जयपुर स्थित धानक्या रेलवे स्टेशन परिसर में ‘एकात्म मानववाद से एकात्म मानवदर्शन की विकास यात्रा’ विषयक स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक एवं प्रदर्शनी स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं विचार

- वासुदेव देवनानी, अरुण जैन, गोपाल शर्मा सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे



देवनानी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक एवं प्रदर्शनी स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

गोष्ठी के साथ-साथ एक भव्य रोजगार मेले का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि विधायक गोपाल शर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख अरुण जैन ने मुख्य वक्ता के रूप में एकात्म मानववाद की अवधारणा पर विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्योगपति एवं समाजसेवी विजेंद्र सिंह ने की।

मुख्य वक्ता अरुण जैन ने अपने संबोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय सोच और संस्कृति के अनुकूल राजनीतिक और सामाजिक दर्शन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि उपाध्याय जी का दिया गया ‘एकात्म मानववाद’ केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि भारतीय समाज के समग्र विकास का मार्ग है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक गुरुजी ने इसे परिपूर्ण मानव का दर्शन कहा, वहीं दत्तोपंत

टेंगड़ी ने इसे एकात्म मानवदर्शन के रूप में देखा।

मुख्य अतिथि वासुदेव देवनानी ने कहा कि पंडित दीनदयाल जी ने विपरीत परिस्थितियों में भी सामान्य जीवन जीते हुए राष्ट्र को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि वे संगठन के माध्यम से जनसेवा को सर्वोच्च मानते थे और जनसंघ में रहकर उन्होंने भारतीय राजनीति में वैचारिक संतुलन और नैतिक मूल्यों की नींव रखी।

विशिष्ट अतिथि गोपाल शर्मा ने कहा कि जब दीनदयाल जी जनसंघ के अध्यक्ष बने, तब उन्होंने देश में जनजागरण का कार्य शुरू किया और नई राजनीतिक दिशा दी। उन्होंने भारतीय राजनीति में सेवा, सादगी और सिद्धांत आधारित नेतृत्व की मिसाल पेश की।

कार्यक्रम के अध्यक्ष विजेंद्र सिंह ने अपने उद्घोषण में कहा कि दीनदयाल उपाध्याय का स्वदेशी, रामराज्य और अंत्योदय का दर्शन आज भी भारत को

आत्मनिर्भर और विश्वगुरु बनाने की राह दिखाता है।

इस अवसर पर ‘दीनदयाल उपाध्याय की राजस्थान यात्राएं’ पुस्तक का विमोचन भी किया गया। सूची अतिथियों ने पंडित दीनदयाल राष्ट्रीय स्मारक परिसर और प्रदर्शनी का अवलोकन कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

समिति के अध्यक्ष प्रो. मोहनलाल छीपा ने समिति की गतिविधियों का परिचय देते हुए राज्य सरकार से दीनदयाल उपाध्याय बोर्ड गठन, विश्वविद्यालयों में शोध पीठ की स्थापना, दीनदयाल छात्रवृत्ति योजना, और पाठ्यक्रमों में उनके विचारों को शामिल करने जैसे सुझाव

रखे। सचिव प्रतापभानु सिंह शेखावत ने समिति की भावी योजनाओं की जानकारी दी, वहीं कोषाध्यक्ष गजेंद्र जानपुरिया ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन अखिल

महेश दलवी ने किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत कौशल, रोजगार एवं उद्यमता विभाग के सहयोग से रोजगार मेले का आयोजन भी किया गया। इस मेले में 26 निजी कंपनियों ने भाग लिया और करीब 500 युवक-युवतियों ने पंजीकरण कराया। यह रोजगार मेला खासतौर पर धानक्या और आसपास के ग्रामीण युवाओं के लिए अवसर लेकर आया, जिससे उन्हें अपने ही क्षेत्र में नौकरी के अवसर मिलेंगे। नीरज कुमार ने इस रोजगार मेले के संयोजक की भूमिका निभाई।

इस आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निम्बामराम, प्रांत प्रचारक बाबूलाल, अनिल ओक, मूलचंद, क्षेत्र संघचालक रमेशचंद्र अग्रवाल, सांसद राव राजेन्द्र सिंह सहित अनेक गणमान्यजन, सामाजिक कार्यकर्ता एवं आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जापान पर्यटन एक्सपो आइची में राजस्थान मंडप का उद्घाटन

जयपुर/टोक्यो । जापान के टोक्यो शहर में आयोजित जापान पर्यटन एक्सपो आइची में सहभागिता करने के लिए टोक्यों पहुंची राजस्थान पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियाड़ और टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास की पर्यावरण एवं वाणिज्य मंत्री देबजानी चक्रवर्ती ने गुरुवार को उक्त एक्सपो में राजस्थान मंडप का उद्घाटन किया।

राजस्थान पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियाड़ ने इससे पहले जापान पर्यटन बोर्ड और अन्य देशों के मंत्रियों और शीर्ष अधिकारियों के साथ एक्सपो का उद्घाटन किया। उन्होंने अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी और एफएचटीआर के सदस्य तरुण बंसल और हेमंत मिश्रल तथा सह-प्रदर्शक दीपक धायल और अन्य लोगों के साथ, जापान पर्यटन बोर्ड के जेटीबी सदस्यों (अध्यक्ष और शीर्ष

- राजस्थान पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियाड़ और टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास की पर्यावरण एवं वाणिज्य मंत्री देबजानी चक्रवर्ती ने जापान पर्यटन एक्सपो आइची में किया राजस्थान मंडप का उद्घाटन

ट्रैवल एजेंट) और जापान राष्ट्रीय पर्यटन संगठन (जेएनटीओ) के अध्यक्ष और अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत चर्चा में भाग लिया और राजस्थान के आकर्षक पर्यटन स्थलों

और उत्पादों के संबंध में जानकारी दी और फ़िल्म के माध्यम से एक प्रस्तुति दी।

राजस्थान के पर्यटन आकर्षणों और उत्पादों के जीवंत प्रदर्शन के साथ, जापान पर्यटन एक्सपो आइची में राजस्थान पर्यटन स्टैंड आकर्षक का केंद्र बन गया है। स्टैंड पर लाइव हस्तशिल्प प्रदर्शन बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित कर रहा है।

इस दौरान जापानी मीडिया से भी बातचीत की गई तथा राजस्थान पर्यटन के भव्य स्वरूप और यहां की पर्यटन विशेषताओं से अवगत कराया गया। इसके साथ ही व्यावसायिक बैठकें भी आयोजित की गईं।

जापानी ब्लॉगर मधु राजस्थानी सदस्यों के साथ राजस्थान स्टैंड पर उपस्थित रही जहां उनकी लोक प्रस्तुति संपन्न हुई है।

तीन आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने भांकरोटा थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए आगरा से प्रतिबंधित नशीली दवाइयों और टैबलेट्स मंगवाकर जयपुर में सप्लाई करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 37 हजार 410 टैबलेट्स और केप्सूल के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि सीएसटी ने भांकरोटा थाना इलाके में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित नशीली दवाइयों और टैबलेट्स मंगवाकर जयपुर में सप्लाई करने वाले गिरोह के शांति बंदमाश संपत सिंह शेखावत निवासी जयसिंहपुरा, अंकुश अग्रवाल और उतर प्रदेश के गाजीपुर निवासी अभिराम सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से प्रतिबंधित नशीली दवा अल्ट्राजेलम और ट्रामाडोल के कुल 37 हजार 410 केप्सूल और टैबलेट्स बरामद किए हैं।

चारदीवारी में हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की चारदीवारी के भीतर हुए अवैध निर्माणों पर कार्रवाई के बजाए नगर निगम की ओर से समय-समय पर सिर्फ नोटिस जारी करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि जिन भवन मालिकों को अवैध निर्माण के नोटिस जारी किए जा चुके हैं, उन बिल्डिंगों को स्थाई रूप से सील कर दो माह में ध्वस्त करने की कार्रवाई पूरी की जाए। अदालत ने निगम आयुक्त को कहा है कि संबंधित उपायुक्त और जिन अधिकारियों से नोटिस देने के बाद कार्रवाई नहीं की, उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए। अदालत ने कहा है कि यदि इन अफसरों ने तबादला भी हो चुका है तो डीएलबी सचिव आदेश की पालना सुनिश्चित करें।

जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित को खंडपीठ ने यह आदेश जितेंद्र कुमार साधवानी की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

- नगर निगम की ओर से समय-समय पर सिर्फ नोटिस जारी करने पर नाराजगी जताई

दिए। अदालत ने कहा कि नगर पालिका अधिनियम के प्रावधानों के तहत निगम के अधिकारियों के पास कार्रवाई करने की शक्तियां हैं। इसके बावजूद उन्होंने समय-समय पर अंतिम नोटिस के नाम पर कागजी कार्रवाई की और उसके बाद प्रभावी कदम नहीं उठाया।

अदालत ने कहा कि नगर निगम की ओर से प्रभावी कदम नहीं उठाने से पूरी चारदीवारी के भीतर अवैध इमारतें बन गई हैं। अवैध बिल्डिंग पूरे शहर और समाज के लिए खतरा बन गई है और इसने चारदीवारी के विरासत मूल्यों के बर्बाद कर दिया है। वहीं निगम की इस कार्यप्रणाली से अन्य लोग भी अवैध

निर्माण के लिए प्रोत्साहित होते हैं। ऐसे में अधिकारियों को इन अवैध निर्माणों पर आंख मूंदकर बैठने और नोटिस जारी करने के छह माह बाद भी हिलाई बरतने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता संजय जोशी ने कहा कि शहर के परकोटे के भीतर युद्ध स्तर पर अवैध निर्माण हो रहे हैं। भवन मालिकों ने न तो नगर निगम से निर्माण की स्वीकृति ली है और ना ही नक्शे पास कराए हैं। वहीं कई लोगों ने अपने रिहायशी मकानों को तोड़कर बिना पार्किंग छोड़े बहुमंजिला व्यावसायिक निर्माण कर लिए हैं। इस संबंध में निगम में कई बार शिकायत की, लेकिन निगम ने उन्हें छह माह के अंतराल में सिर्फ नोटिस जारी किए। जिसके चलते भवन मालिक ने निर्माण पूरा कर लिया। वहीं निगम की ओर से जवाब पेश कर माना गया कि अवैध निर्माण करने वालों को नोटिस जारी किए गए थे।

शाहरुख और दीपिका के खिलाफ कार्रवाई पर रोक जारी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने खराब कार की मार्केटिंग करने से जुड़े मामले में फिल्म अभिनेता शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण के खिलाफ भरतपुर के मथुरा गेट थाने में दर्ज एफआईआर में कार्रवाई पर लगी रोक को जारी रखा है। इसके साथ ही अदालत ने कार कंपनी और शिकायतकर्ता को अपना विवाद आपसी सहमति से तय करने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण सहित अन्य की ओर से दायर आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता का विवाद अपनी जगह है, लेकिन उसने कंपनी के ब्रांड एंबेसडर के खिलाफ कार्रवाई क्यों कि है। कंपनी के साथ मिलकर सहमति से मामला सुलझा जा सकता है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पैवैची करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता यविक राज बाजवा और माधव मित्र ने अदालत को बताया कि शिकायतकर्ता ने कार खरीदने के बाद उसे तीन साल तक करीब 67 हजार किलोमीटर चलाया और उसके बाद एफआईआर दर्ज कराई है।

- कार कंपनी और शिकायतकर्ता आपस में सहमति से करें मामले का निस्तारण

मामले में फिल्मी कलाकार याचिकाकर्ताओं पर कोई स्पष्ट आरोप नहीं है। वे कार के ब्रांड एम्बेसडर हैं और उन्होंने सिर्फ कार का विज्ञापन किया था।

याचिकाकर्ता दीपिका पादुकोण तो शिकायतकर्ता के वाहन खरीदने के बाद इस ब्रांड से जुड़ी है। इसके अलावा हर वाहन की परफॉर्मंस उसके चलाने के तरीके पर निर्भर करती है। यदि शिकायतकर्ता को कार की परफॉर्मंस को लेकर कोई शिकायत भी थी तो इसमें कोई आपराधिक मामला नहीं बनता है। शिकायतकर्ता इसे उपभोक्ता अदालत में परिवाद दायर कर चुनौती दे सकता था।

इसके बावजूद भरतपुर की निचली अदालत के पीठासीन अधिकारी ने बिना विधिक मस्तिष्क का उपयोग किए एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। ऐसे में उनके खिलाफ दर्ज

एफआईआर को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने गत सुनवाई पर याचिकाकर्ताओं के खिलाफ दर्ज एफआईआर में आगामी कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है। भरतपुर के वकील कीर्ति सिंह ने इस्तफासे के जरिए मथुरा गेट थाने में गत दिनों एफआईआर दर्ज कराई थी।

जिसमें कंपनी के एमडी अनसो किश, निदेशक और सीईओ तरुण गर्ग, शाहरुख खान व दीपिका पादुकोण सहित अन्य को आरोपी बनाते हुए कहा गया था कि उसने जून, 2022 में 23 लाख 97 हजार रुपये में एक कंपनी की कार खरीदी थी। हाईवे पर कार चलाने के दौरान ओवरटेक करते समय कार फिकअप नहीं लेती और उसका सिर्फ आरपीएम ही बढ़ता है। कार के ओडोमीटर में माल फंक्शन लिखा आने का साइन नजर आता है। वहीं तेज चलाने पर कार वाइब्रेट होने लगती है। एफआईआर में यह भी कहा गया कि जब शिकायत दी गई तो कार एजेंसी संचालक ने इसे कार निर्माण में दोष बताया। अपराध में कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ दोनों फिल्मी कलाकार भी बराबर के आरोपी हैं।

यू.ई.एम. का तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न



अनुप्रयुक्त विज्ञान के विविध अनुप्रयोगों पर प्रकाश डालते हुए अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

जयपुर। सम्मेलन में दोनों मोड में दुनिया भर से 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें शोध विद्वान, शिक्षाविद और उद्योग पेशेवर शामिल थे। उद्घाटन समारोह में प्रो. बनानी चक्रवर्ती (कुलाधिपति, यूईएम जयपुर), प्रो. (डॉ.) सत्यजीत चक्रवर्ती (प्रो-वाइस चांसलर, यूईएम जयपुर), प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा (रजिस्ट्रार, यूईएम जयपुर), के साथ साथ यूईएम जयपुर के एसोसिएट डीन देश के विभिन्न हिस्सों से अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इसके अलावा, लगभग

101 शिक्षाविदों ने कम्यूटेेशनल और अनुप्रयुक्त विज्ञान के विविध अनुप्रयोगों पर प्रकाश डालते हुए अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

समापन सत्र 21 सितंबर 2025 को शाम 5:00 बजे आयोजित किया गया, जहाँ संयोजक डॉ. प्रफुल्ल छाबड़ा और डॉ. तरुण शर्मा ने सम्मेलन पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रतिभागियों ने उपयोगी सूची और मूल्यवान नेटवर्किंग अवसरों के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। कार्यक्रम का समापन संयोजक डॉ. प्रफुल्ल छाबड़ा द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

नाहरगढ़ अभयारण्य की मौजूदा सीमाओं में परिवर्तन पर रोक, मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाहरगढ़ अभयारण्य की मौजूदा सीमाओं में परिवर्तन करने पर रोक लगा दी है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि इसमें ईको सेंसिटिव ज़ोन और वर्णित क्षेत्र भी शामिल रहेगा। इसके साथ ही अदालत ने मामले में पर्यावरण मंत्रालय, राज्य के मुख्य सचिव, सीएस वन, नेशनल वाइल्ड लाइफ बोर्ड और पीसीसीएफ सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। वहीं अदालत ने मामले में उठाए गए मुद्दे पर केंद्र सरकार के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल को शपथ पत्र पेश कर करने के आदेश देते हुए पीसीसीएफ का हलफनामा भी मांगा है। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित को खंडपीठ ने यह आदेश नाहरगढ़ वन एवं वन्य जीव सुरक्षा एवं सेवा समिति की जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई की करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता केसी शर्मा ने अदालत को बताया कि एन-जीओ के 16 दिसंबर 2024 के आदेश की आड में नाहरगढ़ वन्य जीव अभयारण्य का संशोधित नक्शा तैयार किया जा रहा है।

जिसमें मिलीभगत कर वर्णित क्षेत्र में शामिल होने वाले गांवों की भूमि को शामिल नहीं किया गया है।

इस कार्रवाई में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों की भी अवहेलना की जा रही है। इस दौरान राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की सिफारिश लिए बिना ही अभयारण्य की सीमाओं में बदलाव किया जा रहा है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि नाहरगढ़ अभयारण्य की सीमा पर चल रही गैर वाणिज्यिक गतिविधियों और व्यावसायिक गतिविधियों को फायदा पहुंचाने के लिए वन विभाग की ओर से यह कार्रवाई की जा रही है। याचिका में भी कहा गया कि अभयारण्य की सीमाओं में संशोधन की कार्रवाई से अभयारण्य को नुकसान हो रहा है और ईको सेंसिटिव ज़ोन भी प्रभावित हो रहा है। जिन पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने अभयारण्य की मौजूदा सीमाओं में बदलाव करने पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है और केन्द्र व राज्य सरकार के अफसरों से शपथ पत्र पेश करने को कहा है।

सार-समारा भारत रत्न भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय का हुआ उद्घाटन



जयपुर। वार्ड 31 के लोकप्रिय पार्षद लादूराम दुलारिया द्वारा अथक प्रयासों से नगर निगम से लगभग 26 लाख रुपये स्वीकृत करवा के वार्ड 31 में भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय का निर्माण करवाया गया। जिसका उद्घाटन क्षेत्रीय पार्षद लादूराम दुलारिया द्वारा फीता काटकर किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व राज्य मंत्री राजीव अरोड़ा, पीसीसी महामंत्री विक्रम सिंह शेखावत, पूर्व पीसीसी महामंत्री गिरांग गंग, पूर्व उपाध्यक्ष विप्र कल्याण बोर्ड मंजू शर्मा , पीसीसी सदस्य महेंद्र सिंह खेड़ी , जगदीश शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष हरेंद्र पाल सिंह जादौन, शहर उपाध्यक्ष पार्षद नसरीन बानो , रैगर समाज के अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह जादौन ब्लॉक अध्यक्ष रैगर समाज के कमलेश कुमार व उनकी कार्यकारिणी , वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुशील शर्मा लक्ष्मण सिंह कैलाश गुरुजी रामकुमार शर्मा , ऑंकार मल, देवीलाल वर्मा, सहित अनेक पार्षद प्रत्याशी वार्ड अध्यक्ष इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। संगठन महामंत्री मनोज अमन ने बताया कि आये हुए सभी अतिथियों ने पार्षद लादूराम दुलारिया द्वारा क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की और क्षेत्र के नागरिकों से अपील की कि भविष्य में आप इन्हें पुनः जिताकर नगर निगम में भेजें जिससे आपके क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो सके ।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, प्रदेश मंत्री स्टेफी चौहान, प्रदेश कार्यलय प्रभारी मुकेश पारीक, पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष सुमन शर्मा, भाजपा प्रवक्ता अपूर्वा सिंह, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का एकात्म मानववाद का दर्शन और अंत्योदय का विचार अंदर भारत के विकास पथ को दिशा देता रहेगा। उनका विचार था कि संदेव पंक्ति में खड़े व्यक्ति का सत्यान की वास्तविक राष्ट्र निर्माण है। उनके सिद्धांत आज भी सरकार की समावेशी विकास की नीति में पूर्ण रूप से समाहित है। इस दौरान भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं ने भी पुष्प अर्पित किए।

पटवारी व दलाल को पन्द्रह हजार रुपये की रिश्तत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टॉक टीम ने कार्रवाई करते हुए कार्यलय तहसील गदौं जिला के टॉक पटवारी नरेंद्र बैरवा और दलाल मोहम्मद को पन्द्रह हजार रुपये की रिश्तत लेते गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रिम्ता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी टीम टॉक को परिवारी ने शिकायत दी कि उसके पुत्री-पुत्रो के नाम से खरीदी भूमि का नामांतरण खोलने की एवज में आरोपित पटवारी नरेंद्र बैरवा तीस हजार रुपये की रिश्तत मांग की जा रही है। जिस पर एसीबी ने शिकायत का सत्यापन करवाया। जहां आरोपित पटवारी ने तीस हजार रुपये की रिश्तत मांग की। जिस पर एसीबी टोक टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबर मल ने ट्रेप की कार्रवाई को अंजाम दिया। ट्रेप के दौरान पटवारी ने अपनी उपस्थिति में अपने परिचित मोहम्मद नसीम (दलाल) को पन्द्रह हजार रुपये की रिश्तत परिवारी से दिलाई गई। इस दौरान एसीबी ने कार्रवाई करते हुए पटवारी और दलाल को रिश्तत मामले में गिरफ्तार किया।

1.6 2 करोड़ रुपये का अवैध डोडा-चूरा पकड़ा, वाहन चालक फरार

डोडा-चूरा तस्करी में प्रयुक्त वाहन पिकअप व क्रेटा कार को भी पुलिस ने जब्त किया

भीलवाड़ा, (निर्स)।जिले की रायपुर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने 10 क्विंटल 81 किलोग्राम डोडा-चूरा जब्त किया है। अवैध मादक पदार्थ तस्करी में प्रयुक्त वाहन पिकअप व क्रेटा कार को भी जब्त किया गया है। जब्त मादक पदार्थों की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार कीमत करीब एक करोड़ 62 लाख रुपये है।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह यादव के निर्देश और एएसपी सहाड़ा रोशनलाल पटेल के सुपरविजन में चलाए जा रहे अभियान के तहत रायपुर थाना प्रभारी को डीएसटी कांस्टेबल गोपालराम ने सूचना दी कि डीएसटी ईंचार्ज अशोक कुमार व टीम गंगारूप से रायपुर की ओर आ रही दो संदिग्ध गाड़ियों का पीछा कर रही है। पुलिस ने रायपुर गौशाला के पास नाकाबंदी की तो सबसे आगे चल रही क्रेटा कार पुलिस को देखकर रुक गई। चालक कार छोड़ अंधरे में भाग छुटा। उसके पीछे आ रही पिकअप को पुलिस ने रोकने की



रायपुर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने डोडा-चूरा जब्त किया।

कोशिश की तो चालक वाहन को कच्चे रास्ते की ओर ले गया और पीछा करने पर वह भी वाहन छोड़कर जंगल में भाग गया।

पैदल जा रही महिला को सांड ने सींगों से उठाकर पटका : जोधपुर के मंडौर क्षेत्र के चैनपुरा बावड़ी में एक महिला को आवारा

सांड ने अपने सींगों से उछाल दिया। इससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को निजी अस्पताल में एडमिट करवाया गया

गर्भवती ने 108 एंबुलेंस में बच्चे को जन्म दिया

भीलवाड़ा, (निर्स)। जिले के बनेड़ा से रेफर एक गर्भवती महिला ने भीलवाड़ा लाते समय 1०8 एंबुलेंस में ही बच्चे को जन्म दिया। एंबुलेंस में मौजूद नर्सिंग स्टाफ की तत्परता से मांडल के नजदीक सुरक्षित प्रसव कराया गया और जच्चा-बच्चा दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भीलों का झोपड़ा कुंवार निवासी रूपा पत्नी गोपाल कालबेलिया को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन पहले बनेड़ा अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से रेफर करने पर 1०8 एंबुलेंस पायलट प्रकाशचंद्र कुमावत महिला को जिला अस्पताल भीलवाड़ा ला रहे थे। रास्ते में मांडल के पास महिला को तेज प्रसव पीड़ा हुई और उसने नन्हें से स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। एंबुलेंस पर तैनात नर्सिंग स्टाफ एहसान अली ने तुरंत जच्चा-बच्चा दोनों को प्राथमिक उपचार देकर सुरक्षित प्रसव कराया। बाद में पायलट प्रकाश कुमावत की मदद से दोनों को जिला अस्पताल भीलवाड़ा पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी स्थिति सामान्य बताई।

खर्रा कल सीकर के दौरे पर रहेंगे

सीकर। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा 27 सितम्बर 2०25 को सीकर के दौरे पर रहेंगे तथा विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने बताया कि राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा 27 सितम्बर को प्रातः 8 बजे जयपुर से प्रस्थान कर प्रातः 1० बजे सीकर पहुंचेंगे तथा बालाजी एण्ड कम्पनी के भव्य शुभाभिन कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद राज्यमंत्री खर्रा सीकर के प्रातः 1०.3० बजे पातुसरी के लिए प्रस्थान जायेंगे।

‘पाठ्यक्रम के साथ ही नवाचार करने चाहिए, जिससे जनजातीय छात्रों का विकास होगा’

बांसवाड़ा, (निर्स)। गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के सभागार में कुलगुरु एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों से संवाद में संबोधित करते हुए राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि छात्रों के बौद्धिक, चारित्रिक एवं शारीरिक विकास के लिए विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को विशेष पहल करते हुए योजनाबद्ध रूप से प्रयास करने की आवश्यकता है।

राज्यपाल बागड़े ने निर्देश दिए कि पाठ्यक्रम के साथ ही नवाचार करने चाहिए जिससे जनजातीय छात्रों का विकास होगा। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व केवल आधुनिक शिक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा से भी जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा में चिकित्सा, आयुर्वेद, अभियांत्रिकी, गणित, खगोल शास्त्र और स्थापत्य कला जैसे क्षेत्रों में विश्व को मार्गदर्शन देने वाली अनूठी धरोहर मौजूद है। राज्यपाल बागड़े ने उदाहरण देते हुए कहा कि सुश्रुत और चरक के चिकित्सा और आयुर्वेद संबंधी योगदान आज भी दुनिया में आदर्श माने जाते हैं। इसी प्रकार अर्यभट्ट और भास्कराचार्य ने गणित और खगोल विज्ञान में वह नींव रखी जिस पर आधुनिक विज्ञान खड़ा है। राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थियों को



गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के सभागार में कुलगुरु एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों से राज्यपाल बागड़े ने संवाद किया।

इन विषयों से परिचित कराना केवल इतिहास का स्मरण भर नहीं है बल्कि इससे उनमें गौरव बोध, आत्मविश्वास और नवाचार की प्रेरणा उत्पन्न होगी। यदि छात्र आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ-साथ अपनी परंपरागत ज्ञान-व्यवस्था की गहराई को समझेंगे तो वे समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुरूप नए समाधान खोजने में सक्षम बनेंगे।

राज्यपाल ने कहा महाविद्यालयों को सम्बद्धता प्रदान करने से पूर्व वहां के भौतिक संसाधन एवं मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना

आवश्यक है। योग्य शिक्षकों की नियुक्ति में कठोरता अपनाने और खेल सुविधाओं के विकास के लिये ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि नशा मुक्ति के लिए केवल पोस्टर लगाने से अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ेगा बल्कि छात्रों को व्यक्तिगत रूप से जागरूक करना होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए आदर्श गांवों में सायंकालीन व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने निर्देश दिये कि नियमित रूप से सूर्य नमस्कार का अभ्यास विद्यार्थियों में खेलकूद के

साथ अनिवार्य किया जाए। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय पुस्तकालय में राजस्थान के समृद्ध इतिहास और बप्पा रावल जैसे महान वीरों पर आधारित साहित्य का समावेश होना चाहिए। साथ ही महाभारत, रामायण, वेद, उपनिषद एवं शास्त्रीय साहित्य के संकलन को भी उपलब्ध कराना आवश्यक है।

राज्यपाल ने निर्देश दिए कि शोध कार्यों में स्थानीयता के विषयों को प्राथमिकता दी जाए। परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता एवं गोपनीयता पर विशेष बल देते हुए उन्होंने कहा कि प्रश्न पत्र निर्माताओं से शपथ-पत्र लेने जैसे ठोस

■ विश्वविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की आवश्यकता : राज्यपाल बागड़े

प्रावधान किए जाएं। राज्यपाल ने यह भी निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री के आह्वान का अनुसरण करते हुए विश्वविद्यालय तथा छात्र अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तु और संसाधनों का उपयोग करें। कुलगुरु प्रो. केशव सिंह ठाकुर ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और गतिविधियों का वृत्त प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव कश्मी कौर रौन, वित्त नियंत्रक हितेश गौड़, उप कुलसचिव प्रो. राजेश जोशी, परीक्षा नियंत्रक प्रो. प्रमोद वैष्णव, अकादमिक प्रभारी प्रो. शफकत राना, शोध निदेशक प्रो. नरेन्द्र पानेरी, सम्बद्धता प्रभारी अधिकारी डॉ. राकेश डामोर, प्राचार्य अभियांत्रिकी डॉ. अर्पित पाठक, सहायक कुलसचिव परीक्षा डॉ. लोकेन्द्र कुमार, सहायक लेखाधिकारी प्रथम लेखराम भास्कर, शैक्षिक सलाहकार प्रो. महिपाल सिंह राव, खेल सलाहकार अनिल शर्मा, सहायक लेखाधिकारी द्वितीय चिरण जिवेदी एवं कनिष्ठ लेखाकार शुभम पंडथा मौजूद रहे।

महिला की मौत

उदयपुर, (निर्स)। अम्बामाता थाना क्षेत्र में बाइक से गिरने पर घायल महिला की मौत हो गई। बुधवार को अम्बामाता थाना क्षेत्र ब्रह्मपोल रोड़ पर बाइक से गिरने पर गांधीनगर ओडबस्ती निवासी तारा (4०) पत्नी कालू ओड़ गंभीर घायल हो गई, जिसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया था।

पूर्व मंत्री ने अवैध खनन में अभियंता व पुलिस की सांठगांठ का आरोप लगाया

करोली, (निर्स)। जिले में बढ़ रहे अवैध खनन कार्य पर प्रतिबंध लगाने के लिए पूर्व पंचायत राज मंत्री रमेश चंद मीणा ने मुख्यमंत्री के नाम का जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। साथ

■ पूर्व पंचायत राज मंत्री रमेश चंद मीणा ने मुख्यमंत्री के नाम का एसपी को ज्ञापन सौंपा

ही उन्होंने अवैध खनन में खनिज विभाग के अभियंता और पुलिस की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कुछ अवैध खननकर्ताओं को नामजद करते हुए किसी निष्पक्ष और ईमानदार पुलिस अधिकारी से जांच करने की मांग की है। पूर्व मंत्री रमेश चंद मीणा ने ज्ञापन में खुलासा करते हुए बताया कि करोली में पुलिस में खनिज विभाग अभियंता की मिलीभगत से भारी मात्रा में अवैध खनन कार्य चल रहा है, जिसमें राज्य सरकार को राजस्व की भारी हानि हो रही है और अवैध खनन का व्यापार पनप रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्य रूप से श्री राम माहन्स एंड मिनरल कावटी केलादेवी ग्रिंट उद्योग मनोहरपुरा रफीक खान मनोहरपुरा रामपुरा मिनरल रामपुरा अवैध खनन कार्य हो रहा है। उन्होंने बताया कि इन सभी खनन पट्टों पर प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड राजस्थान से

खिरनी की नई प्रजाति की पहली उपस्थिति उदयपुर जिले में दर्ज

उदयपुर, (निर्स)। राजस्थान की जैव विविधता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए खिरनी की नई प्रजाति की पहली उपस्थिति उदयपुर जिले में दर्ज की गई है। खिलौने बनाने के लिए

■ खिलौने बनाने के लिए उपयुक्त मानी जाने वाली इस लकड़ी की नई प्रजाति “राइटिया डोलीकोकारपा” की खोज उबेश्वर वन क्षेत्र और गोगुन्दा तहसील के ओबरा खुर्द गांव में हुई

■ लगभग पचपन वर्ष बाद यह प्रजाति अब राजस्थान में दर्ज की गई है, जो राज्य के वनस्पति इतिहास में एक उल्लेखनीय घटना है

उपयुक्त मानी जाने वाली इस लकड़ी की नई प्रजाति “राइटिया डोलीकोकारपा” को पूर्व वन अधिकारी एवं पर्यावरणविद् डॉ. सतीश कुमार शर्मा और फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिस्तेमिटी के फील्ड बायोलॉजिस्ट डॉ. अनिल सरसावन ने खोजा है। यह खोज उदयपुर जिले के उबेश्वर वन क्षेत्र और गोगुन्दा तहसील के ओबरा खुर्द गांव में हुई है। इस नई खोज के साथ उदयपुर में अब राइटिया वंश की खिरनी की कुल तीन प्रजातियां विद्यमान हो चुकी है।

एक समय था जब खिरनी की



खिरनी की नई प्रजाति की पहली उपस्थिति उदयपुर जिले में दर्ज की गई है।

लकड़ी से बने खिलौनों के लिए उदयपुर शहर देशभर में प्रसिद्ध था। उस समय खिलौने बनाने में दो प्रमुख प्रजातियों की लकड़ी का उपयोग किया जाता था।

पहली प्रजाति खिरनी, जिसे वैज्ञानिक भाषा में राइटिया टिक्टोरिया कहा जाता है और दूसरी प्रजाति खिरना, जिसका वैज्ञानिक नाम राइटिया टोमेनटोसा है। नई खोजी गई राइटिया डोलीकोकारपा इसी परंपरा को नया जीवन देने वाली प्रजाति मानी जा रही है। राइटिया डोलीकोकारपा का पहला वैज्ञानिक उल्लेख वर्ष 1969 में नगर हवेली क्षेत्र के बोन्टावन से हुआ था, जब वनस्पति वैज्ञानिक के. बहादुर और एस.एन.आर. बैनेट ने इसे पहचाना। उनकी यह खोज 1978 में प्रकाशित हुई थी। लगभग पचपन वर्ष बाद यह प्रजाति अब राजस्थान में दर्ज की गई है, दिशा प्रदान करने वाला है।

जो राज्य के वनस्पति इतिहास में एक उल्लेखनीय घटना है।

नई प्रजाति डोलीकोकारपा आकार में पूर्व ज्ञात खिरनी राइटिया टिंक्टोरिया से काफी मिलती-जुलती है, लेकिन इसके फलों की लंबाई इसे अलग पहचान देती है। जहां टिंक्टोरिया के फलों की लंबाई 15 से 5० सेंटीमीटर तक होती है, वहीं डोलीकोकारपा के फल 60 से 96 सेंटीमीटर तक लंबे पाए गए हैं। इतनी लंबी फली के कारण यह प्रजाति वन में दूर से ही पहचान में आ जाती है। इस खोज का विस्तृत विवरण हाल ही में प्रकाशित जर्नल ऑन न्यू बायोलॉजिकल रिपोर्ट्स के अंक 14, खंड 1 में दर्ज किया गया है, जो राजस्थान के वनस्पति शोध को नई दिशा प्रदान करने वाला है।

पूर्व मंत्री ने अवैध खनन में अभियंता व पुलिस की सांठगांठ का आरोप लगाया



करोली जिले में अवैध खनन को लेकर पूर्व मंत्री रमेश मीणा ने कार्यकर्ताओं व लोगों के साथ ज्ञापन दिया।

उपस्थित थे। इस मौके पर पूर्व मंत्री ने जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए भ्रष्ट खनिज अभियंता धर्म सिंह मीणा और सहयोगी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में मुकदमा दर्ज चलते अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। नाराज ग्रामीणों ने जाम लगाकर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सूचना पर सदर थाना पुलिस तहसीलदार अर्जुन लाल मीणा, अधिशासी अधिकारी सार्वजनिक निर्माण विभाग मुकेश गौचर, एनएचआई के अधिकारी मौके पर पहुंचे और दो घंटे तक ग्रामीणों से समझाइश की तथा 19 नवंबर से सड़क का निर्माण कार्य शुरू करने का आश्वासन देने के बाद ग्रामीणों ने जाम हटा दिया।

सूद नहीं ली। आए दिन हादसे होते रहते हैं तथा वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। पिछली सरकार द्वारा सीसी सड़क निर्माण के लिए 184 करोड़ रुपए का बजट पारित किया था लेकिन राजनीतिक कारणों के चलते अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। नाराज ग्रामीणों ने जाम लगाकर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सूचना पर सदर थाना पुलिस तहसीलदार अर्जुन लाल मीणा, अधिशासी अधिकारी सार्वजनिक निर्माण विभाग मुकेश गौचर, एनएचआई के अधिकारी मौके पर पहुंचे और दो घंटे तक ग्रामीणों से समझाइश की तथा 19 नवंबर से सड़क का निर्माण कार्य शुरू करने का आश्वासन देने के बाद ग्रामीणों ने जाम हटा दिया।

आबकारी की मुखबिर योजना में बदलाव

बीकानेर, (निर्स)। आबकारी विभाग की मुखबिर योजना में अब अवैध शराब पकड़े जाने पर एक करोड़ की बजाय 1० लाख रुपए के राजस्व नुकसान पर भी इनाम मिलेगा। पहले एक करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान पर ही मुखबिर योजना का फायदा मिलता था।राजस्थान सरकार के वित्त विभाग ने मुखबिर योजना में संशोधन किया है।

पहले अवैध शराब पकड़े जाने पर अगर एक करोड़ रुपए का राजस्व नुकसान पाया जाता तो ही मुखबिर को इनामी राशि मिलती थी। लेकिन, अब एक करोड़ की बजाय 1० लाख रुपए के राजस्व नुकसान पर ही मुखबिर को 4 प्रतिशत नकद राशि मिलेगा में दी जाएगी। इसके अलावा पकड़े गए वाहन की कीमत का आंकलन कर उसकी भी 8 प्रतिशत राशि मुखबिर को मिलेगी।

ठगी का मामला दर्ज

उदयपुर, (निर्स)। प्रताप नगर थाना पुलिस ने आरोपी व साथी के खिलाफ खता किराए देकर आंथिल्लाइन सायबर ठगी जरिये अवैध नकदी लेनदेन करने का प्रकरण दर्ज किया। सायबर क्राईम पोर्टल पर प्राप्त शिकायत के अनुसार हेडकॉस्टेबल मुकेश कुमार द्वारा की गई जांच में केनरा बैंक के खाताधारक कपील देवानायक व अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जांच में आरोपी

से की गई पृष्टताछ में उसने अपना बैंक खाता रिश्तेदार आकाश पुत्र सुरेशचन्द्र नायक निवासी सेणवास आमेट राजसमन्द हाल उमरड़ा को किराए पर देने की जानकारी आई। आरोपी के बैंक खाते से अवैध लेनदेन की शिकायतें सायबर क्राईम पोर्टल पर दर्ज होने पर की गई जांच में इसका खुलासा हुआ। जिसकी जांच एएसआई भगतसिंह कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने त्रिपुर सुंदरी मंदिर में पूजा की

मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी मंदिर में दर्शन किए

बाँसवाड़ा/जयपुर, 25 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को बाँसवाड़ा के तलवाड़ा स्थित शक्ति पीठ त्रिपुर सुंदरी मंदिर में दर्शन तथा विधि-विधान से पूजा अर्चना की। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

■ मुख्यमंत्री ने नापला हैलीपैड पर कहा कि प्रधानमंत्री ने राजस्थान को जो सौगातें दी हैं, उससे प्रदेश का विकास होगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बाँसवाड़ा के तलवाड़ा में त्रिपुर सुंदरी मंदिर में पूजा की।

देते हैं। आज उन्होंने प्रदेश के लिए लगभग 1 लाख 8 हजार करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। साथ ही, 15 हजार से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वागड़ क्षेत्र में आज माही बाँसवाड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र की आधारशिला रखी है। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।

‘सरकार मुझे जेल भेजने की तैयारी में है’

लद्दाख, 25 सितंबर। लद्दाख में भड़की हिंसा पर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सरकार पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि अगर उन्हें गिरफ्तार किया गया तो सरकार की दिक्कतें उनकी आजादी से कहीं ज्यादा बढ़ जाएंगी।

वांगचुक ने गुरुवार को गुहमंत्रालय के उस बयान को खारिज किया जिसमें बुधवार की हिंसा के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया गया था। उन्होंने कहा कि सरकार बलि का बकरा तलाश रही है जबकि असली समस्या को नजरअंदाज कर रही है।

भाजपा के सांसदों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) जहाँ एक ओर नीतीश कुमार साफ-सुथरे शासन पर जोर दे रहे हैं, वहीं भाजपा की आंतरिक कलह सामने आ रही है, जिससे बिहार में एनडीए का चुनावी गणित काफी कमजोर दिख रहा

है। पार्टी नेतृत्व के सामने दोहरी चुनौती है, सहयोगियों को शांत करना और अपने ही वरिष्ठ नेताओं को चुनावी मैदान में उतरने के लिए मनाना। जैसी स्थिति है, एनडीए इस चुनावी मौसम में सवालों से घिरा हुआ है, जवाबों से नहीं।

वांगचुक के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) एजूकेशनल एंड कल्चरल मुवमेंट आफ लद्दाख का पंजीकरण प्रमाण पत्र तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। उल्लेखनीय है कि सोनम वांगचुक लद्दाख को संविधान

की छठी अनुसूची में शामिल करने तथा उसे पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर पिछले कुछ दिनों से हड़ताल कर रहे थे। लेह में बुधवार की हिंसा भड़कने के बाद उन्होंने अपनी हड़ताल वापस ले ली थी

अमेरिका विश्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) यह प्लेटफॉर्म युवाओं का ध्यान आकर्षित करने और उन पर प्रभाव डालने में इतना सफल हो गया था कि अमेरिकियों को खतरा महसूस होने लगा और उन्होंने इसे रोकने की कोशिश की। पूर्व के बाइडन प्रशासन ने कंपनी को आदेश दिया था कि वह अमेरिका में अपनी संपत्तियाँ किसी अमेरिकी समूह को बेच दे। सरकार टिक टॉक के संचालन वाले मूल एल्गोरिदम को भी हासिल करना चाहती थी।

दोनों देशों ने कंपनी के भविष्य को लेकर बातचीत जारी रखी, लेकिन ट्रंप की टैरिफ नीति के हमलों के बाद ये वार्ताएँ रुक गईं। बाद में जब चीन ने दुर्लभ खनिज जैसे अहम कच्चे माल की आपूर्ति रोकने जैसी गंभीर धमकियाँ दीं तो बातचीत फिर शुरू हुई।

अमेरिकी बाज़ार में टिकटॉक को बंद करने की धमकी देकर ट्रंप प्रशासन ने सीधे अमेरिकी स्वामित्व के तहत इसे चलाने की एक योजना तैयार की है।

भूपेन्द्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) अनुभव है। वहीं, बिल्बल देब का अनुभव पूर्वोत्तर राज्यों से बंगाल की राजनीति को मजबूत करेगा।

बिहार के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को चुनाव प्रभारी जबकि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल को सह-प्रभारी बनाया है।

तमिलनाडु में भाजपा सांसद बैजयंत पांडा को प्रभारी और मुरलीधर मोहोले को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

स्कूल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) शर्त पर दी कि विद्यार्थियों को कोई असुविधा न हो।

(प्रथम पृष्ठ का शेष) खत्म करने के आदेश को बहाल कर दिया। इसके बाद याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट गए।

उच्च न्यायालय ने स्कूल मैदान में रामलीला के आयोजन पर रोक लगा दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने पहले बार इन्हें उठाना स्वीकार्य नहीं है।

शीर्ष अदालत ने आदेश पारित करते हुए इस दलील पर भी गौर किया कि स्कूल के मैदान का उपयोग लगभग 100 वर्षों से रामलीला समारोहों समेत अन्य धार्मिक उत्सवों के लिए किया जाता रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से सहमति जताई और कहा, ओए एक विशेष कानून है, जो दादर और नगर हवेली के लिए बनाया गया था और यह सामान्य पुर्तगाली भूमि कानून पर वरीयता रखता है। धारा 12 के तहत ज़मीन की रद्दीकरण प्रक्रिया स्वतंत्र रूप से कलेक्टर द्वारा की जा सकती है, इसके लिए अलग गए कानूनों की अवहेलना या माफ़ी नहीं दी जा सकती। सिर्फ राज्य की निष्क्रियता को मौन स्वीकृति नहीं माना जा सकता।

पीठ ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता के वकील से पूछा, "यह पिछले 100 सालों से होता आ रहा है। आपने आखिरी समय में अदालत का दरवाजा क्यों खटखटाया? आपको पहले से जाकर प्रशासन से व्यवस्था करने के लिए कहने से किसने रोका? आप न तो छात्र हैं और न ही किसी छात्र के अभिभावक... आप संपत्ति के मालिक नहीं हैं... आप जनहित याचिका दायर कर सकते थे, लेकिन आपको किसने रोका?"

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कलेक्टर के फैसले का समर्थन किया और कहा, ओए की धारा 12 में स्पष्ट रूप से ज़मीन पर खेती करना अनिवार्य है और इस हल्का नहीं किया जा सकता।

‘बाँसवाड़ा की धरती पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) सामर्थ्य का एक नया अध्याय लिखा गया है।

- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश को विकास की राह पर ले जाने में राजस्थान बड़ी भूमिका निभा रहा है।
- प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि प्र.मंत्री के नेतृत्व में राजस्थान स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और सौर ऊर्जा में प्रथम स्थान पर पहुँच गया है।
- कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने साफा पहनाकर और विजय स्तंभ का चित्र प्रदान कर प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

किसानों को दिन के समय बिजली मिलनी शुरू हो चुकी है।

मुख्यमंत्री ने 1 लाख 8 हजार करोड़ रुपये की ऐतिहासिक सौगातें राजस्थान को देने के लिए प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान 2 अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र भी प्रतीक रूप में प्रदान किए। इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बीकानेर-दिल्ली कैंट बंदे भारत एक्सप्रेस, जोधपुर-दिल्ली कैंट बंदे भारत एक्सप्रेस एवं उदयपुर सिटी-चंडीगढ़

एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्व. पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी का साफा पहनाकर और आदिवासी सम्मान का प्रतीक तीर-कमान भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद मदन राठौड़, केन्द्र एवं राज्य सरकार के मंत्रीगण सहित, सांसद एवं विधायकगण और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

अगले लोकसभा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता से हुई “सिंधु जल संधि” एक ऐतिहासिक जल-बंटवारा समझौता था। लेकिन 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने यह संधि निर्लंबित कर दी थी, और सरकार ने दृढ़तापूर्वक स्पष्ट किया था कि “पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।”

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान 2 अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र भी प्रतीक रूप में प्रदान किए। इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बीकानेर-दिल्ली कैंट बंदे भारत एक्सप्रेस, जोधपुर-दिल्ली कैंट बंदे भारत एक्सप्रेस एवं उदयपुर सिटी-चंडीगढ़

सुरंग पाइपों के माध्यम से बनाई जाएगी। इसका निर्माण कार्य डीपीआर मिलने के बाद शुरू किया जाएगा।

सुरंग निर्माण के लिए “टनल बोरिंग मशीन” और “रॉक शील्ड टैक्नालजी” के उपयोग का प्रस्ताव रखा गया है, ताकि गति और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित की जा सकें। यह सुरंग जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में स्थित “उझ मल्टी परपज़ प्रोजेक्ट” से भी जोड़ी जाएगी, जिससे रावी की सहायक नदी उझ से ब्यास बेसिन में जल स्थानांतरित किया जा सकेगा।

इस सुरंग के पूरा होने से रावी-ब्यास-सतलुज प्रणाली को सिंधु बेसिन से जोड़ा जा सकेगा, जिससे भारत अपने हिस्से के जल का अधिकतम उपयोग कर सकेगा। सूत्रों का अनुमान है कि इसका निर्माण तीन से चार वर्षों में पूरा हो जाएगा और यह कार्य 2028 तक तैयार हो सकता है। इसकी अनुमानित लागत करीब 4,000 – 5,000 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

तब से भारत सरकार सिंधु जल के अपने हिस्से के उपयोग के लिए एक विस्तृत योजना पर काम कर रही है। इसे साकार करने के लिए इंटर-बेसिन सिंधु जल ट्रांसफर योजना के तहत एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर विचार किया गया है, जिसकी निगरानी उच्च स्तर पर की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, इस परियोजना का सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा है- 14 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण। इसके लिए पर्वतीय चट्टानों का विस्तृत अध्ययन आवश्यक है। यदि चट्टानें कमजोर पाई जाती हैं, तो

**MARUTI SUZUKI**

CELEBRATIONS JUST GOT BIGGER.

WITH GST BENEFITS + LIMITED PERIOD FESTIVE OFFERS*

	PRICE REDUCTION OF UP TO*	NOW STARTING AT*	ADDITIONAL FESTIVE OFFERS OF UP TO*
FRONX	₹ 1 12 600	₹ 6 84 900	₹ 70 000
GRAND VITARA	₹ 1 07 000	₹ 10 76 500	₹ 1 29 100 + 5 Year Extended Warranty
BALENO	₹ 86 100	₹ 5 98 900	₹ 72 500
IGNIS	₹ 71 300	₹ 5 35 100	₹ 62 500
INVICTO	₹ 61 700	₹ 24 97 400	₹ 1 40 000
XL6	₹ 52 000	₹ 11 52 300	₹ 25 000
JIMNY	₹ 51 900	₹ 12 31 500	₹ 1 00 000



SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

*FESTIVE OFFERS VALID TILL 30TH SEP ONLY

UP TO 100% WAIVER ON CAR LOAN PROCESSING FEE (ONLY TILL 30TH SEP)##

E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

Contact us at

1800-200-[6392]

1800-102-[6392]

For detailed T&C kindly visit your nearest dealership. Features and accessories shown may not be a part of the standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers and features may vary subject to the model and variant purchased. *The mentioned offers include "Consumer Offer + Booking offer + Exchange Bonus + Rural offer", and may vary from city to city. Please contact nearby dealership for more details. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 30th September '25 or till stocks last. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan India. Maruti Suzuki Subscribe is available only in selected cities. ##Offers include consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offers (wherever applicable) on select models/variants. Finance is at the sole discretion of the financier by selected finance partners. *Prices and savings mentioned above are for select variants and may vary across cities/ variants.

राष्ट्रदूत हिन्दू संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वैरईन्ड मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स: 0141-2373513 कोटा कार्यालय: पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स: 0744-2386033 बीकानेर कार्यालय: कुम्पाना हाऊस, हनुमान हवा, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665 जालौर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालौर। फोन 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डीनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डीनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

●●●●

⊕

●●●●

⊕

●●●●

⊕

●●●●